

अन्तर्राष्ट्रीय वन दिवस एवं विश्व वृक्ष दिवस का आयोजन

झाँसी 21 मार्च, 2021। केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान, झाँसी में अखिल भारतीय कृषिवानिकी समन्वित परियोजना, भारतीय कृषिवानिकी समिति तथा जलवायु परिवर्तन एवं सतत पर्यावरण विज्ञान समिति के सहयोग से आज वर्चुवल मोड के माध्यम से अन्तर्राष्ट्रीय वन दिवस एवं विश्व वृक्ष दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ. बी.पी. भट्ट, पूर्व निदेशक, आईसीएआर रिसर्च काम्प्लेक्स फार इस्टर्न रिजन, पटना और डॉ. सी.जी.कुशलप्पा, डीन, वानिकी कालेज, पोनमपेट, कर्नाटक को मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक डा. ए. अरुणाचलम ने की।

वर्चुवल मोड के माध्यम से डा. वी.पी. भट्ट ने बताया कि संरक्षण कृषि पारंपरिक फसल प्रणाली उत्पादकता बढ़ाने में अपना महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने फसल पद्धति और वानिकी के एकीकरण पर जोर देते हुये बताया कि यह हमें जलवायु परिवर्तन के खतरे से भी सुरक्षित करता है। इसके अलावा उन्होंने परती भूमि में वृक्षों के पुनरुद्धार के महत्व को भी विस्तार से बताया।

कार्यक्रम में डा. सी. जी कुशलप्पा ने वन पारिस्थितिकी, जैव विविधता संरक्षण और वातावरण एवं पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं की अत्यन्त महत्वपूर्ण जानकारी दी। इसके अतिरिक्त उन्होंने पश्चिमी घाटों में पेड़ों की भूमिका और उनसे होने वाले लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संस्थान के निदेशक डॉ. ए. अरुणाचलम ने अपने उद्बोधन में बताया कि वन और प्राकृतिक संसाधन प्रबन्धन वर्तमान और भावी पीढ़ी की खाद्य और आजीविका सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण है। उन्होने पेड़ की महत्ता को बताते हुए जानकारी दी कि वृक्ष हमारे पर्यावरण को स्थायी तरीके से कैसे सुरक्षा प्रदान करते हैं। डा. अरुणाचलम ने प्रस्तावित वन नीति का उल्लेख करते हुए बताया कि इस नीति से कृषिवानिकी तथा वनों के महत्व से हमारे देश का पर्यावरण तथा आर्थिक तंत्र और अधिक सुदृढ़ हो जायेगा।

कार्यक्रम में देश के विभिन्न कृषि संस्थानों के वैज्ञानिक, तकनीकी अधिकारी, शोध छात्र-छात्रायें, यंग प्रोफेसनल्स तथा शोध कार्य कर रहे शोध सहायक विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन डा. ए. के. हाण्डा एवं धन्यवाद ज्ञापन डा. प्रियंका सिंह ने किया।

